

फटाफट खबरें

RPF ने दो युवकों को किया अरेस्ट

■ NBT न्यूज, आगरा: आगरा में RPF ने रविवार को आगरा फोर्ट स्टेशन पर दो युवकों को गिरफ्तार किया। युवकों पर आरोप है कि वे छह नवंबर को मजदूरी के लिए नुसरत से छह रहे थे। आरोपियों के खिलाफ एटी ड्युमन टैकिंग के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आगरा फोर्ट RPF के इन्स्पेक्टर विजय दहिये ने रविवार को बंबाई कि कुछ ट्रेनों में सनन लवकरी होने को सुचना मिल रही थी। रविवार को RPF टीम ने सनन लवकरी केस ट्रेन से छह नवंबर को को सनन दहिये।

कार-पिकअप में टक्कर, 1 की मौत

■ NBT न्यूज, फिरोजाबाद: थाना रजमापुर क्षेत्र के पन्नेरा पुल के पास रविवार दोपहर एक कार और एक ट्रक के टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में कार ड्राइवर की मौत हो गई थी, जबकि कार सवार चार लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सिक्योरिटी ट्रेन से लेकर फिरोजाबाद, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं ड्राइवर के शव को फोर्टमैडन के लिए शिवा अस्पताल भेज दिया गया। जख्मियों के अनुसार मजदूरी के थाना सुरावली क्षेत्र के सैन रोसिहापुर से सभी आगरा जा रहे थे।

महाराजा सूरजमल की प्रतिमा से जाट शब्द हटाने पर हंगामा

मेरठ में था कार्यक्रम, बिना अनावरण के लौटे पंजाब CM भगवंत मान



■ NBT रिपोर्ट, मेरठ

मेरठ में रविवार को महाराजा सूरजमल की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम के दौरान उस समय स्थूल मरम्भ था, जब प्रतिमा की फाउंडेशन प्लेन से 'जाट' शब्द हटाने का मामला सामने आया। इससे जलजल समाज के लोग भी के पर ही घने पर बैठ गए और जमक विरोध किया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस-प्रशासन ने जानबूझकर 'जाट' शब्द हटाना समाज का अपमान किया है। उनका कहना था कि राज में प्रतिमा के नीचे 'जाट' शब्द की फोटो लगी थी, लेकिन सूचना देकर नहीं मिली। फोटो पर लिखा



पंजाब के CM, मुख्यमन्त्री के पूर्व सांसद समेत कई नेता कार्यक्रम में पहुंचे।

'जाट' शब्द फोटो पर हटा दिया गया। कार्यक्रम में मौजूद नजीर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने मंच से इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि अगर बात नहीं बनी तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। यही, पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता सखीब खलिलान ने भी मामले को गंभीर बताया। हंगामे के बीच प्रशासन और लोगों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। अधिकारियों ने सर्राई टी कि रासन की

BJP नेता बालियान ने किया अनावरण

कार्यक्रम के दौरान भगवंत जैसे हलवा भी बने। प्रतिमा का अनावरण पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को करना था, लेकिन भेड़ के कारण वे आगे नहीं बढ़ सके और बिना अनावरण किए लौटे गए। बाद में सखीब खलिलान ने प्रतिमा का अनावरण किया।

माइइलवहन के अनुसार जलिसुफक शब्द नहीं लिखा जा सकता। साथ ही उन्होंने समाधान के लिए 10 दिन का समय मांगा। हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनु चौधरी ने प्रशासन को 15 दिन का अल्टिमेटम दिया है। उन्होंने कहा कि यदि तब समय में 'जाट' शब्द हटाया नहीं लिखा गया तो 16वें दिन उद्वेग सभ पर पंचायत कर आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर बस में लगी आग, सभी सुरक्षित

सवारियों को लेकर बस आगरा से नोएडा की ओर आ रही थी

■ NBT न्यूज, मथुरा



फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर रविवार की सुबह सवारियों से परी-एक ब्रिगेड बस में अचानक आग लग गई। थाना नौदहली क्षेत्र में हुए इस हादसे में बस ड्राइवर ने सूचना देकर आग बस को सड़क किनारे रोक दिया, जिससे उसमें सवार सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए। यमुना पर फायर ब्रिगेड और फायर विगड की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक बस पूरी तरह जल चुकी थी। जानकारी के मुताबिक, रविवार की सुबह बस सवारियों को लेकर यमुना एक्सप्रेस-वे के रास्ते आगरा से नोएडा की ओर जा रही थी। बताया गया है कि बस में 48 यात्री सवार थे। बस जैसे ही थाना नौदहली क्षेत्र में माइल स्टोन संख्या 64 के नजदीक पहुंची कि अचानक बस से धुंआ उठने लगा।

बस में धुंआ उठते ही ड्राइवर ने बस को सड़क किनारे रुका कर दिया, जिससे सभी सवार सुरक्षित बाहर आ गए। ड्राइवर ने सूचना देकर आग बस को सड़क किनारे रोक दिया, जिससे बस में सवार सभी बच बसे से उतारकर सुरक्षित स्थान पर चले गए। देखते ही देखते बस में से आग की लपटें उठने लगीं। मौके पर अफन-नफरी का शोबल बन गया। पुलिस ने सभी यात्रियों को दूसरी गाड़ियों से उतारकर फायर ब्रिगेड के लिए रकना किया। पुलिस ने बताया कि आग से किसी तरह की कोई जानाति नहीं हुई है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

सहारनपुर: होटल में ID मांगने पर फायरिंग का आरोप

■ NBT न्यूज, सहारनपुर: रविवार को सहारनपुर में एक होटल में रविवार को बाराक सवार कुछ युवकों पर फायरिंग का आरोप है। जानकारी के अनुसार, देहली में स्थित खंडाई रोड होटल में कुछ युवक काम लेने पहुंचे थे। रिविवार पर मौजूद कर्मचारी ने उनसे सहायता पत्र (आईडी) मांगा। एक युवक ने तो आईडी दिखा दी, लेकिन बाकी युवकों से आईडी मांगने पर धड़क गए और मारने-मारी शुरू कर दी। देखते ही देखते विकट बहू गया और आरोपियों ने होटल में फायरिंग कर दी। इसके बाद उन्होंने होटल में वेडनेट्टी शुरू कर दी, जिससे कई सड़के टूट गए और सामान क्षतिग्रस्त हो गया। इस दौरान थोप-बहाव करने आर होटल कर्मचारियों के साथ भी मारपीट की गई। जान बचाने के लिए कर्मचारी कमरे में शरण गए वहां से बाहर आते-आते फायरिंग के बाद आरोपियों ने फरार हो गए।

पीलीभीत में खंभे से बांधकर युवक को पीटा, दो गिरफ्तार

■ पीटीआई, पीलीभीत: पीलीभीत जिले में एक 22 साल के युवक को बिकली के खंभे से बांधकर बेतुमी से पीटने का मामला सामने आया है। इस घटना का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने रिववार को दो सड़कों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि विडियो सामने आने के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है। दो आरोपियों पकड़े जा चुके हैं, जबकि बाकी सड़कों की तलाश जारी है। यह घटना बरखेड़ा इलाके के पीटा कला गांव की है। पुलिस के मुताबिक, 22 साल का आरिफ पिछले तीन दिनों से लपका था। बरखेड़ा थाना प्रभारी (SHO) ने बताया कि पीड़ित के पिता शमीर काहा की शिकायत पर तीन नामजद और एक अज्ञात शख्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत में शमीर काहा ने आरोप लगाया कि उनका बेटा 24 मार्च को शाम करीब 4 बजे पर से रेलवे स्टेशन जाने के लिए निकला था। रास्ते में खंभे से बांधकर पीटा गया था।



3 दिन से लापता था युवक

■ पुलिस के मुताबिक, 22 वर्षीय आरिफ पिछले तीन दिनों से लपका था।

■ शुरू-आरंभ जाय में पड़ फल ही कि युवक अपने महिला दोस्त से मिलने गया था।

केवास आरोपी तालिम, कैसर और पन्ने 10-12 अन्य घमौनों के साथ मिलकर आरिफ को रोक लिया। पिता ने बताया, उन्होंने उसे रेलवे से बिकली के खंभे से बांध दिया और वहां-धुंखें व सड़कों से उसकी बुरी तरह पीटाई की।

पुलिस की शुरू-आरंभ जाय में पत फल ही कि आरिफ की फरार और पर राब में अपनी बहिला दोस्त से मिलने गया था।

जेवर पर 'क्रेडिट वॉर', मायावती का दावा- हमने रखी थी नींव

सोशल मीडिया पर लिखा, बुनियादी काम हमारी सरकार के दौरान हुए

■ पीटीआई, लखनऊ: नेएडा इटनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) पर श्रेय लेने की होड़ मच गई है। नवम्बर की घड़ी के अग्रिम अग्रिम राब के बाद अर बीएनए प्रमुख मायावती ने रविवार को दावा किया कि इस प्रोजेक्ट की शुरूआती नींव उनके मुख्यमंत्री रहते हुए ही रखी गई थी। उन्होंने इसके काम में हुई देरी के लिए काँग्रेस और समाजवादी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जेवर में इस एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर एक पोस्ट में मायावती ने कहा कि लंबे इंतजार के बाद एयरपोर्ट के पहले परण का उद्घाटन हुआ है, लेकिन इसका न्यूट्रि और जगनी बुनियादी काम उनकी सरकार के दौरान ही शुरू हो गए थे। उन्होंने लिखा, 'सबे इलाका के बाद लंबे जेवर में नेएडा



मायावती

इटनेशनल एयरपोर्ट के पहले परण का उद्घाटन हुआ, जबकि इसका नकशा ही नहीं, बल्कि तामा जरूरी शुरूआती काम बीएनए की मेरी सरकार के समय ही शुरू कर दिए गए थे।

काँग्रेस पर निशाना: मायावती ने काँग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर उस समय केंद्र को काँग्रेस सरकार ने रोकटोक देता तो होना, तो यह उनके कार्यकाल में ही बकरी पहले पूरा हो गया होता।

एसपी ने योजनाओं को खत्म किया। BSP चीफ

मायावती ने समाजवादी पार्टी की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि एएसपी सरकार ने विकास पर ध्यान देने के बजाय उनका विकास को योजनाओं को खत्म करने में समय बर्बाद किया। BSP सूत्रों ने आरोप लगाया कि एएसपी सरकार 'जातिवाद और राजनीतिक श्रेण' वाले कामों में लगी रही, जिसमें संस्थानों के नाम बदलना और दरिद्र सजाव के रसों व गुरुओं के सम्मान में बनारस रमारको और यात्रों की अनदेखी करना शामिल था।

फिरोजाबाद में रेप के आरोपी को 10 साल की सजा

■ NBT न्यूज, फिरोजाबाद: जनपद नवाबगढ़ के नवाबगढ़ पॉल्स कोर्ट ने शनिवार को नवाबगढ़ से दुष्कर्म के मामले में सुनवाई करते हुए आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई। साथ ही 26 हजार रुपये का जुर्माना भी सजाव सुनिस के अनुसार, थाना खैरगढ़ में 25 सहरपुर में 25 अप्रैल 2022 को एक युवक ने पर में सुसुर नाबालिग सड़क से रेप किया था। पीड़ित को मां ने थाने में एफआई दर्ज कराया था और साथ ही पुलिस के लिए रिपोर्ट कर दी। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। बरखेड़ा के बाद पुलिस ने न्यायालय में जांच सड़क विलियम की थी। कोर्ट में सबूत प्राम्ते को रेप की सरकारी बकली अवधेस थारदास द्वारा सजाव को रोक।

#Zaruri Hai

प्यार से सुरक्षा का भरोसा

NPS Vatsalya के साथ

मुख्य विशेषताएं

भारतीय नाबालिग बच्चों के लिए उपलब्ध

18 के बाद, 21 तक जारी रखें या एनबीएस में बदलें या निकाली करें

राज्य पर आर्थिक आवेदन और वित्तीय योजना

न्यूनतम वार्षिक योगदान ₹250 (कोई अधिकतम सीमा नहीं)

संबंधितों/मित्रों द्वारा भंडारण उपलब्ध

आर्थिक निकालों की सुविधा

जगदीदी बैंक/झाकघर/प्याइंट ऑफ प्रोजेस (पीओपी) से संपर्क करें, एएसएमएस करें NPS 56677 पट, कॉल करें: 1800110708 अथवा अधिक जानकारी के लिए www.pfrda.org.in देखें

फ्री सुविधाओं से बढ़ा सब्सिडी का खर्च

दिल्ली सरकार ने आईटी प्रोजेक्ट्स के बजट में की भारी कटौती

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार का बिजली सब्सिडी और महलगाओं की प्री ब्याज योजना पर बजट 2025-26 में काफी बढ़ गया है। वहीं, महलगाओं की आईटी प्रोजेक्ट्स के बजट में भारी कटौती की गई है। यह बजट बिल विधान सभा और से नये संसदीय अनुमान (BS) में हुआ है। आईटी के मुआविके, बिजली सब्सिडी का बजट बढ़कर करीब 4,200 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो पहले बजट अनुमान (BS) में 3,849 करोड़ रुपये था। यह बढ़ोतरी बजट अनुमान विधान सभा और नये संसदीय अनुमान में करण बड़ी मंजुरी को पुर करने के लिए की गई है। दिल्ली में 200 यूनिट तक बिजली



मुक्त की जाती है, जबकि 201 से 400 यूनिट तक इलेक्ट्रिकल बन्दे वाली को 50 पैसे की सब्सिडी मिलती है। वहीं, परिवहन विभाग के अधिकारी के अनुसार, 'सोटीसी बसों में महलगाओं के प्री ब्याज के लिए सब्सिडी बढ़ाकर 328 करोड़ रुपये कर दी गई है, जो पहले 240 करोड़ रुपये थी। कलक्टर बसों में प्री ब्याज के लिए

■ 4,200 करोड़ रुपये कर दिया गया है बिजली सब्सिडी का बजट बढ़ाकर, जो पहले बजट अनुमान (BS) में 3,849 करोड़ रुपये था

सब्सिडी 200 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 342 करोड़ रुपये कर दी गई है। इस तरह महलगाओं के लिए कुल सब्सिडी 440 करोड़ रुपये से बढ़कर 670 करोड़ रुपये हो गई है। 'पुरी और, आईटी विभाग के बजट में बड़ी कटौती की गई है। 2025-26 के लिए 690.5 करोड़ रुपये का प्रावधान था, लेकिन संसदीय अनुमान में वार्षिक खर्च घटाकर सिर्फ 215 करोड़ रुपये कर दिया गया, जो करीब 69 पैसे की कटौती है।

धीनी पड़ सकती है इन योजनाओं की रफ्तार

अधिकारियों के मुताबिक, कई आईटी प्रोजेक्ट्स जैसे सुनिफाइड डेटा हब प्रोजेक्ट के लिए 250 करोड़ रुपये का प्रावधान था, जिसे घटाकर अब सिर्फ 6 करोड़ रुपये कर दिया गया है। वहीं ई-व्यवस्था से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स का बजट भी 150 करोड़ रुपये से घटाकर 15 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिससे इन योजनाओं की रफ्तार धीमी पड़ने के संकेत मिल रहे हैं।

बच्चे के विडियो पर AAP ने CM पर उठाए सवाल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीरम भारद्वाज ने एक बच्चे के विडियो को सोशल मीडिया एका पर साझा करने के नोटिस पर इस मामू में सवाल किया है। पता है कि अगर हमारे घर टूट जाये तो क्या आप हमें अपने घर में रखेंगे? सीरम ने कहा कि नई पीढ़ी के जो लोग आ रहे हैं, वे बीजेपी से डरते नहीं हैं। सीरम ने दावा करते हुए कहा कि यह बच्चे मृत्युसमय रोज गुरु के ही चित्रण क्षेत्र का जन्म वाला है। एक साल के भीतर ही सीरम रोज गुरु ने यह घमण्ड हासिल कर लिया है कि मामू बच्चे की

दिल्ली सरकार की फोन खोज रहे हैं। अब छोटे-छोटे बच्चे भी अपने हाक के लिए सीरम से सवाल पूछने लगे हैं। वहीं, दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने सीरम भारद्वाज के दावे को खारिज करते हुए इसकी निंदा की है। बीजेपी नेता ने कहा कि सीरम की मुश्किल यह है कि इस साल की सत में 'आम' विचारधारा ने दिल्ली पर अपने घर में रखेंगे? सीरम ने कहा कि नई पीढ़ी के जो लोग आ रहे हैं, वे बीजेपी से डरते नहीं हैं।



सीरम भारद्वाज

अब नया दिल्ली के विकास के लिए अर्थ कराने हटने का विलम्बित कृत्य हुआ है तो इसे जल्द ही का मामू बनने का दावा बन रहे हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा है कि अब भारतीय बच्चा का वह अधिकार हटाने का मामू न्यायालय के आधीन है।

6573 जगहों पर सुनी 'मन की बात'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: पौरुष मेडो के 'मन की बात' कार्यक्रम के 132वें संस्करण का अखेर का सत्र 30 अक्टूबर को हुआ। दिल्ली में 6,573 जगहों पर 6,250 बच्चे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे। कार्यक्रम का अंतिम सत्र 30 अक्टूबर को हुआ। दिल्ली में 6,573 जगहों पर 6,250 बच्चे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे। कार्यक्रम का अंतिम सत्र 30 अक्टूबर को हुआ। दिल्ली में 6,573 जगहों पर 6,250 बच्चे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे।

कनॉट प्लेस पहुंचे LG, लोगों से की बातचीत



उत्तराखण्ड टूरिज्म सचिव ने आम लोगों के साथ खाना भी खाया

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली के उत्तराखण्ड टूरिज्म सचिव ने लोगों से सीधे जुड़ने की अपनी पहल को जारी रखते हुए कनॉट प्लेस को कनॉट प्लेस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग वर्गों के लोगों से बातचीत की। यह दौर उनकी पिछली यात्राओं की तरह ही बिना किसी पूर्व बेनका के आयोजित किया गया। अपने दौर के दौरान एलजी सचिव महेश्वर जैन 'खजल खाले की तुकान पर पहुंचे और लाइन में लगकर कपू-चावल खाए। इसके बाद वहीं खड़े होकर आम लोगों के साथ खाना खाया। यहां भी उन्होंने लोगों से उनके मुद्दों, समस्याओं, कठिनायियों और आशंकाओं पर चर्चा की।

इसके बाद वह एक और स्टोर पर पहुंचे और वहां से मिलक के लिए और लोगों से बातचीत जारी रखी। एलजी ने कनॉट प्लेस में साफ-सफाई और टूरिज्म को स्थिति का भी जांचना किया। साथ ही, अलग-अलग इलाकों से आए लोगों से उनके बोझों की समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली।

उत्तराखण्ड ने कहा कि शासन लोगों के केंद्र में होना चाहिए और समस्याओं के समाधान भी लोगों से ही निकालने चाहिए। उन्होंने दोहराया कि शासन 'टोप-डाउन' के बजाय 'बॉटम-अप' होना चाहिए। अब तक एलजी मीडल टूरिज्म, वॉटर विभाग, चिलरिंग सब्सिडी और खाल किसान जैसे इलाकों में भी इस तरह के संवाद कार्यक्रम कर चुके हैं।

BAJAJ BLDC FANS

नई टेक्नोलॉजी, बेहतर लाइफ़

BLDC MAX

₹8000+ बचत
बिजली के बिल पर

With Remote Control

www.bajajelectricals.com | +9170399 26000 | Free Home Service* 022 4128 0000 | consumercare@bajajelectricals.com

आत्मनिर्भर भारत सहकार से समृद्धि

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में नैनो उर्वरकों से हो रही है भारतीय कृषि सशक्त

नैनो उर्वरकों का कमाल, हर खेत-किसान बने खुशहाल

नैनो यूरिया प्लस • नैनो डीएपी • नैनो एनपीके • नैनो ज़िंक • नैनो कॉपर धरामृत • सागरिका • जैव उर्वरक

उत्तम खेती के लिए स्मार्ट समाधान

मिट्टी की उर्वरता बढ़े

कम लागत में अधिक उत्पादन

पर्यावरण के लिए सुरक्षित

फसल की गुणवत्ता में सुधार

कम मात्रा में अधिक प्रभाव

भंडारण एवं प्रयोग करने में आसान

इफको का है यह अभियान स्वस्थ हो धरती, खुशहाल बने किसान

इफको के नैनो उर्वरक सम्पूर्ण स्वदेशी हैं | इफको द्वारा विकसित नैनो उर्वरक, आत्मनिर्भर भारत एवं आत्मनिर्भर कृषि की पहचान हैं

इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड
इफको सदन, टी-1, डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल, साफ्ट प्लेस, नई दिल्ली - 110017
दूरभाष: 91-11-26510001, 91-11-42592826 | वेबसाइट: www.iffco.in
ग्राहक सेवा हेल्पलाइन नंबर (टोल फ्री): 1800 103 1967

इफको के उत्पाद और सेवाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें और हमसे जुड़ें

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली/एनसीआर | सोमवार, 30 मार्च 2026

यदि आप स्वयं को जानते हैं, लेकिन शत्रु को नहीं, तो हर जीत के साथ आपको एक हार भी झेलनी पड़ेगी।
- सन लू, चीनी सेनानायक व दार्शनिक

उलझती लड़ाई

अमेरिका और इंग्लैंड के बीच शांति समझौते के लिए रविवार को वाकिन्सन में बातचीत शुरू हो गई। सऊदी अरब, तुर्किया और इजिप्ट के विदेश मंत्रियों की इस्लामाबाद पहुंची है। एक दिन पहले जबीर अल-मुबारक को अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भरोसा जताया था कि युद्ध कुछ हफ्तों में खत्म हो जाएगा। परिणाम एशिया में बढ़ती अमेरिकी रणियों को भी जुगुप्सी में डालेगा। अमेरिका ने समझौते के लिए जो शर्तें रखी हैं, इंग्लैंड उससे इनकार करता आ रहा है। सऊदी अरब का रुख भी अलग रहेगा, क्योंकि खबरें हैं कि वह इंग्लैंड पर अमेरिकी हमले के समर्थन में भी था।

सौदागत बात नहीं | यह पूरा सीन उम्माईद जगने वाला भी लगता है, लेकिन इसके साथ कई नई चुनौतियां भी हैं। इंग्लैंड ने अमेरिका से सौदे बातचीत से इंकार कर दिया है, यानी अब दोनों के बीच संबन्ध के लिए कोई तीसरा पक्ष सामने आएगा। अमेरिका ने समझौते के लिए जो शर्तें रखी हैं, इंग्लैंड उससे इनकार करता आ रहा है। सऊदी अरब का रुख भी अलग रहेगा, क्योंकि खबरें हैं कि वह इंग्लैंड पर अमेरिकी हमले के समर्थन में भी था।

इस्त्राएल की मुश्किल | फिर अगिबारा को इंग्लैंड समर्थित हूनी विद्रोही भी जंग में शामिल हो गए, जिससे स्थिति और जटिल हो गई। इस्त्राएल पहले ही कह रहा है कि वह कई मांगों पर लड़ने के लिए तैयार है, लेकिन हलका हलका से अलग और चुनौतीपूर्ण है। लेकनान में फिनलैंड के साथ टकराव जारी है, जबकि गाजा में भी कई मामलों पर तैय्य संभवान लगे हुए हैं। ऐसे में इस्त्राएल पर दबाव और बढ़त दिखता है।

अमेरिका में चुनाव | इस लड़ाई का दुनिया पर बुरा असर पड़ रहा है। यू.के. डेनिस ट्रेन दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि होम्स स्टुट्ट बनें तो अमेरिका पर फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन वाशिंगटन के साथ 35% तक बढ़ा चुके हैं, जबकि यूपीए में 80% तक। यह मामूली बान नहीं कि टैप को सत्ता सौंपने सवा खाल भी नहीं हुए और उन्हें तैय्य 'नो क्रियम लेडी' का सम्मान करना पड़ा। इस बार टैप विधेयी विधेय-प्रदर्शन पूरे अमेरिका के अलावा यूपीए के कई देशों में भी हुए।

धोया गया युद्ध | अमेरिका और इस्त्राएल ने शांति वार्ता पर भरोसा करने के बजाय सब जानते-समझते हुए भी लड़ाई का गुरत किया। उनके इस फैसले की कोमत अब दुनिया चुका रही है। लेक की बढ़ती कोमत की वजह से पुरव फूटकर सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। फर्स्ट-वर्ल्ड जंग की वजह से वैश्विक खाद्य संकट पैदा होने का डर है। भारत सहित दुनिया के कई देशों में प्रोथ की रफार बांधे पड़ने का डर है। इसलिए अलावा की होगा कि वह युद्ध जल्द रुके और इसका गुरत बातचीत की टेबल से निकलता है।

नशतर

लाइनजीवी है हम

मोहल्ले में यह बात फैली हुई है कि फलतः सहाय का कुरत बात कर सकता है। पड़ोसी ने मुझे बताया तो मैंने पूछा, 'अब क्या-क्या कर सकता है?' पड़ोसी बोले, 'तुम हर बात को हंसी में उड़ा देते हो, लेकिन इस बार माफगर्मी नहीं है।' यह मकरा गंभीर था तो हमने भी गंभीर ही लिया। मैंने गौर किया कि फलतः सहाय का कुरत गेज सुनकर आठ नवे पर से निकलता है और दो धंटे बंद लीड आता है। एक गेज में भी उसके पीछे हो लिया। थोड़ी दूर जाने पर कुरत की सीमा एक लंबी लइन दिखाई। फलतः सहाय का कुरत भी लइन में खड़ा हो गया। दो धंटे बंद कुरते जब अपने धरों की ओर लीडने लगे, तो मैंने फलतः सहाय के कुरते से पूछा, 'तुम लोग कब कर रहे थे?'

'लइन लाने की प्रिंटर। आने वाले समय में हमें भी लइन लानानी पड़ेगी, हमारे मालिक भी तो यही करते हैं। थोड़े-थोड़े बाद लइन लाना कर खड़े हो जाते हैं। कभी वैकेशन के लिए, कभी सीर के लिए, कभी रिजिंडर के लिए, कभी पेट्रोल के लिए। एक गेज तो मालिक के साथ में कर से कही जा रहा था, देखा लोग नदी के पूरु पर खड़े हैं। मालिक ने भी कार किनारे लगाई और खड़े हो गए। सब नदी की ओर झंके रहे थे, मालिक भी झंकेने लगे। मैंने मालिक से पूछा तो बोले, सब झंके रहे हैं...खेड़ी तो बाव होगी। इतने में झंकेने वालों की लइन लग गई। किसी की नदी पता था कि वह कब झंके रहा है... आधे घंटे बाद कुरत आया। एक साधर पर इतने लोग झंकेने लगे कि टैपिक रुक गया। अलत में तुम मनुष्य लइनजानी हो। कई दिनों तक लइन नदी लगती तो बेचैनी होने लगती है कि कुछ हो नहीं रहा देश में। अब हम उदरे मालिक भक्त। मालिक ने जिस दिन कह दिया लइन लानानी है, लगा लगे। बस उसी की तैयारी कर रहे हैं। कुरते के कुरते वस सुकर मैं पर की ओर लीडने लगा। रकते में फलतः सहाय दिखे, पेट्रोल में लइन में खड़े थे।

एकदा

संकलन - दीनदयाल मुरारका

खुद पर भरोसा

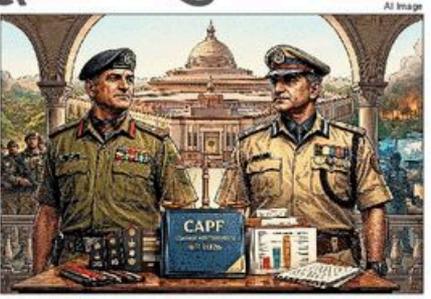
विन्सेंट वैन गॉग एक डच चिखरवा है। उन्होंने कलाकृतियों का एक संग्रह तैयार किया, जो अपने जीवन में और सख अभिव्यक्ति से दर्शाते को प्रेरित करता है। उनका जन्म 30 मार्च 1853 को हुइज था। बचपन से ही वे बंग गीत को आलोकन और अभिमान का सम्मान करना पड़ा। यहां तक कि उनके अपने परिवार ने भी उनको कला को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने जन्म से कई गले अपनाए-कभी अंडील कर, कभी पाठ्यी करने की कोशिश की, लेकिन हर सारा असफल रहा। लगातार असफलताओं ने उन्हें निराश किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अक्टूबर 27 वर्ष की उम्र में उन्होंने चिखरवा को अपनाया। उस समय लोग उनके पेंटिंग्स को अजीब और बेकार समझते थे। वह गंभीरी, अकेलेपन और मानसिक संकष्ट से जुझते रहे, लेकिन अपनी आजाब पर हमेशा भरोसा किया। वेन गॉग ने अपने जीवन में केवल एक पेंटिंग बेची, लेकिन उन्होंने फेहनत और जुनून से Starry Night और Sunflowers जैसी अमर कृतियां रच दीं। उनकी मृत के बाद ही दुनिया ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और आज वह महान कलाकारों में गिने जाते हैं। वह कहते थे, 'हर बंद दरवाजा एक नया रास्ता दिखाता है, बस खुद पर विश्वास करना रखें।'

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक को हार या जीत के रूप में पेश करना गलत नए कानून से सुरक्षा बेहतर होगी



अशोक कुमार

भारत आज अंदरूनी और सीमा सुरक्षा की बड़ी मुश्किलों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में देश एसी बहस का जोखिम नहीं उठा सकता, जिसमें नौकरों से जुड़ी छोटी-छोटी समस्याओं को बड़ा अत्याय बनवा जाए और सुधार की कोशिशों को संस्था को कमजोर करने के रूप में दिखाया जाए। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सशस्त्र प्रशासन) विधेयक 2026 को लेकर जो चर्चा चल रही है, उसे कुछ लोग ऐसे पेश कर रहे हैं जैसे देश को CAPF अधिकांश और IPS नेतृत्व में से किसी एक को चुनना पड़ेगा। अलत में ऐसा कोई सुधार नहीं है। यह केवल पदोन्नति का सवाल नहीं, एकता के लिए। 34 वर्षों के अपने करियर में मैंने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) और सीमा सुरक्षा बल (BSF) में सेवा दी है। इस दौरान मैंने कई नकसल प्रभावित इलाकों और संस्था पर काम किया। अपने अनुभव से कह सकता हूँ कि यह विधेयक अधिकांश की जांच विभागों को हल करेगा है। यह केवल पदोन्नति का सवाल नहीं, देश की विधिपता और केंद्रीय तंत्र में सुधार बकरावर रखने का कदम है। सरदार बल्लभभाई पटेल ने देश में केंद्रीय सभ्यता और एकता के बलके अतिव्यक्त भारतीय संस्थाओं को लीड प्रेम फाया था। IPS हमेशा केंद्र-गण, एटिलिजेंस ऑपरेशन और गुप्त पुलिस-CAPF के बीच सेतु का काम करता रहा है।



कानून वफा जारूरी

कानून वफा जारूरी

- विनिमय सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय मजबूत होगा
- बेहतर होगा प्रशासन, अपराधों की घिटाओ का हल
- करियर को ध्यान में रखते हुए नए पद बनाए जाएंगे

बात भूल जाते हैं कि भारत की अंतरिक सुरक्षा अलग-अलग कालों के टुकड़ों की नहीं चल सकती। एक जिले का खतरा पूरे देश को प्रभावित कर सकता है। सुविधा सुचना पर तुल्य करवाई को दरकार होती है। भारतीय सुरक्षा सेवा (IPS) के अधिकांश इतने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका करियर उच्च रज्य की पुलिस, CAPF, CRPF, BSF, एटिलिजेंस ब्यूरो (IB) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) जैसे संस्थानों के बीच काम का अनुभव देता है। इतने उच्च प्रदर्शन के बाद और बेहतर तालमेल की क्षमता मिलती है, जो देश की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

समन्वय से सफलता | CRPF और BSF में काम के दौरान मैंने नकसल प्रभावित क्षेत्रों, फिजिस्टन और

कला है और पदेनति में पदस्थित रहता है। इतने काम के समय के साथ और शिक्काओं का निपटारा कैसे होगा यह भी तय किया गया है।

घिटा होगी पूर | CAPF में करियर की प्रगति हमेशा विना का विषय रही है। इस विधेयक में इसका समाधान है। इतने DIG, IG और ADG स्तर पर नए ऑफिस पद बनाए गए हैं और अतिव्यक्त पूरा व सर्विस (OGAS) जैसे सुधारों को फैसले भी लागू किए गए हैं। यह CAPF कमिश्नर के लिए पदस्थित और सुधार सुनिश्चित करने के साथ IPS को अंतरिक सुरक्षा के शीर्ष स्तर पर बनाए रखता है। CAPF अलग नहीं चलते, वे रज्य की पुलिस के साथ काम करते हैं। दोनों में अंतर्गामी अधिकांश इस सेतु को बेहतर बनाए रखने में सक्षम होते हैं।

केंद्रीय समन्वय जरूरी | यह विधेयक IPS नेतृत्व को बलपूर्वक सुविधाओं में बकरावर रखते हुए CAPF अधिकांशों के पदेनति अंतरा बढ़ता है। आज भारत के सामने सीमा सुरक्षा, आतंकवाद, नकसलवाद, संगठित अपराध और साइबर खतरों जैसी कई चुनौतियां हैं। यह किल पदेनति को आराम और प्रशासन को साफ-सुथरा बनाता है। साथ ही, IPS नेतृत्व बकरावर रखता है, ताकि देश की सुरक्षा और केंद्रीय सभ्यता मजबूत रहे।

सुसुचित गिणियां | इस विल में सभी संतुलन है। यह किल CAPF अधिकांशों के लिए न्याय करता है, सरदार पटेल की सेव का सम्मान करता है और देश के हित में है। यह किसी एक सेव को जीत या हार का सवाल नहीं है। (लेखक पूर्व IPS अधिकांश हैं)

मशीनों में जान भरता है डेस्क पर रखा पौधा

50 से ऊपर ही सिस्टम लगे होंगे अधिस में एक के बाद एक बकरा करे। काले रंग के डेस्कटॉप, कीबोर्ड और माउस, काले रंग की कुर्सी और स्टेरी पेट। कुछ रीट पर सामने एक से लटके कैलेंडर और शिफ्टयूट। एक तरफ से नजर फिजिस्टन शुरू होती है, तो एकदम अधिकांश को पता चलता है, काले रंग के डेस्क पर से न खड़े हो, जहां कोई न खड़े रहते हैं। जहां काले-सफेद, पूरे और स्टेरी रंगों के अलतर्न भी एक और से मीजुट है - हरा। काम ठाम होने के बाद भी इन रीटों पर कुछ सखी हमेशा मीजुट रहते हैं - मनी प्लांट, स्पाइडर प्लांट, जेड प्लांट।

काम करने की डेस्क पर एक छोटा-सा पौधा सजावट से बकरा करे। स्क्रीन, अक्विमेटस और डेडलवुड के बीच इसका रंग रंग है गलत पत्र। काम के बीच जब नजर इस पर जाती है, तो मन शांत हो जाता है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि पौधा कितना छोटा है, उमरें हिमपत होती है बदलव के लिए प्रबन्ध करने की, ताजगी लाने की, कई बार ऐसा होता है कि काम से जब दिमाग थक जाता है, तो बस कुछ सेकंड्स इस पौधा को देख लेना ही काफी होता है खुद को रिजेट करने के लिए।



जीवन आनंद सोलैट पाडेय

पैय रंजिए, कुछ अला ही होगा। र्नेक पक्षों का देखने में ही टेडर है, वह उस पौधों की तरह है जो मदद कर देता है और क्रेडिट भी नहीं लेता। पौधे सिस्टमों में केयर काना। समय-समय पर पानी देना, धूप दिखाना, पंती

कार्टे की बात

करोड़ सारा दरवाजे के लंबे शूजर के बाद जम्मू-कश्मीर की टीम ने अपना पहला रणजी शिखाव हासिल किया। देश का कश्मीर के युवा गैबराज अकिन नबी के प्रदर्शन की भी चर्चा हो रही है, फिजिने रणजी सीजन में 60 रिजेट शिए थे।

Autism पीड़ितों को रोजगार में मुश्किल

2 अरब को ऊपर अटिज्म अधिकांश है। WHO के अनुसार, दुनिया में हर 100 में से 1 बच्चा, जबकि भारत में लगभग 1.8 करोड़ लोग अटिज्म से प्रभावित हैं। 2021 के एक अनुमान के अनुसार, वैश्विक स्तर पर करीब 6.8 करोड़ लोग अटिज्म स्पेक्टम पर थे।

देश	दुनिया में अटिज्म
उत्तरी अमेरिका	1.9%
यूरोप	1.2%
एशिया	1.6%
अफ्रीका	1.2%
दक्षिण अमेरिका	0.7%

काम मिलने में मुश्किल

देश	काम मिलने में मुश्किल
उत्तरी अमेरिका	21%
यूरोप	24%
एशिया	47%
अफ्रीका	40%
दक्षिण अमेरिका	40%

डेरा Window

देश	डेरा Window
उत्तरी अमेरिका	01
यूरोप	01
एशिया	03
अफ्रीका	36
दक्षिण अमेरिका	68

नरेंद्र मोदी
मन की बात में

कैसा होने जा रहा है स्पेस रेस का भविष्य

मुल्यजय राय

'Open Space: From Earth to Eternity- the Global Race to Explore and Conquer the Cosmos' नाम की किताब में इसके लेखक डेविड अरिओस्टो (David Ariosto) ने कॉपनिश और रूसों के बीच चल रही स्पेस रेस के बारे में बताया है। डेविड जर्नलिस्ट रहे हैं। इसलिए चीन के स्पेस प्रोग्राम और Intuitive Machines जैसे स्पेस एक्सप्लोरेशन में शामिल कॉपनिशों तक उनकी पहुंच रही है। इस किताब में उन्होंने ऐसे अग्रगण्य और जानकारियों का इस्तेमाल किया है।

उन्होंने किताब में लिखा है कि Intuitive Machines के डेविलीयरो को चंद्र पर अंतरिक्ष यान की लैंडिंग की कोशिशों को लेकर किताब की मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने चंद्र की रेस में शामिल कई स्टार्टअप के अधिकांशों के जो टेस्ट्यू किया, उससे मिली कई दिलचस्प जानकारियां उन्होंने रीडर्स से सांभरी रखी हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि स्पेस रेस में चीन

किस तरह से अधिकांश को पीछे छोड़ने की कोशिश कर रहा है। इससे रीडर्स को यह समझने में सक्षम बनता है कि वह इंटरनेट किस तरह से लगातार बढ़ी हो रही है और भविष्य में इसका स्वरूप कैसा रहने वाला है। डेविड को भी लिखने में इस क्षेत्र में कई ऐसे कॉपनिश हैं, जिन्हें अग्रगण्यों से जबरदस्त पीछे रहना है और किताब से इतने से कई कॉपनिश सरकारी फर्मों को चुनौती देती दिख रही हैं। हालांकि, यह यह भी मानते हैं कि इस क्षेत्र में सरकार का समर्थन कितना जरूरी है।

किताब को 47 छोटी-छोटी कैप्टरों में बांटा गया है। इनमें अला-अला कैप्टरों में डेविड ने चंद्र पर जाने वाले अधिकांश, सहाय रिस्कॉर्डीटी, मंडा प्रोविडेंटि दवाओं, अंतरिक्ष में डेटा सेंटर जैसी विषयों की चर्चा की है। किताब का पहला हिस्सा बहुत रोचक है, जो रीडर्स को बांधे रहता है। अगर दूसरे हिस्से में लेखक कहीं बहुत आशावादी तो कहीं बहुत निराश से बकते हुए दिखते हैं। दूसरे हिस्से में डेविड ने अंतरिक्ष के फलतः से बंद रहे

से तेज गति से ट्रेल और अंतरिक्ष में इस्त्राबी बलित्वे कनेने के प्राक्के तक का विकास किया है।

स्पेसरेस के संस्थापक इवॉन मरक और ब्लू ऑर्गिजिन-एम्पेनॉन के अंतरिक्ष को लेकर दुनिया को जो सच डियाए है, इस किताब में उन्हें पूरा होना देखा जाता है। हालांकि, सचार्क है कि इन अधिकांशों को लेकर बहुत ज्यादा संशय बने हुए हैं और उनके भविष्य के बारे में फर्के तौर पर कुछ भी कहना संभव नहीं है। डेविड जहां चंद्र को लेकर निष्पक्ष के अधिकांशों को बहुत तबखे नहीं देते, वहीं वैज्ञानी

के तेज गति से ट्रेल और अंतरिक्ष में इस्त्राबी बलित्वे कनेने के प्राक्के तक का विकास किया है।

स्पेसरेस के संस्थापक इवॉन मरक और ब्लू ऑर्गिजिन-एम्पेनॉन के अंतरिक्ष को लेकर दुनिया को जो सच डियाए है, इस किताब में उन्हें पूरा होना देखा जाता है। हालांकि, सचार्क है कि इन अधिकांशों को लेकर बहुत ज्यादा संशय बने हुए हैं और उनके भविष्य के बारे में फर्के तौर पर कुछ भी कहना संभव नहीं है। डेविड जहां चंद्र को लेकर निष्पक्ष के अधिकांशों को बहुत तबखे नहीं देते, वहीं वैज्ञानी



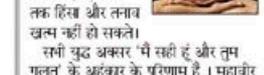
THE SPEAKING TREE
और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.in

किसी को न डराना अहिंसा है, किसी से न डरना आत्मज्ञान

मिर्मल जैन

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर वर्षामाजी की 'महावीर' बनें तक की यात्रा केवल उनके व्यक्तित्व में ही नहीं, बल्कि मानव चेतना के लोकतांत्रिकरण की शुरुआत थी। इसलिए उनका सम्प्रदायक विचार जैति, धर्म विशेष का धार्मिक उत्सव न होकर शांति-अहिंसा के मार्ग पर चलकर हटय में मानवता जगाने वाला एक 'आध्यात्मिक अलंकार' है, आत्म-विनय का महापर्व है। उनके सिद्धांत अहिंसा के संकेत के एकमात्र सम्प्रदाय के साथ पूरी मानवता के लिए सर्वोच्च गायड की तरह है।

अशांति और युद्ध के ज्ञानामुखी के तथ्य से दुस्तार रूप विचार के लिए उनको अहिंसा का स्थापक धर्म है - 'किसी को न डराना' अहिंसा है, और 'किसी से न डरना' आत्मज्ञान। जब सम्प्रदाय अंधधुंध का पाया कर लेते हैं, तो आतंक का मनोवैज्ञानिक 'पाँच धड़ जवा' का 'महावीर' बनें तक की यात्रा केवल उनके व्यक्तित्व में ही नहीं, बल्कि मानव चेतना के लोकतांत्रिकरण की शुरुआत थी। इसलिए उनका सम्प्रदायक विचार जैति, धर्म विशेष का धार्मिक उत्सव न होकर शांति-अहिंसा के मार्ग पर चलकर हटय में मानवता जगाने वाला एक 'आध्यात्मिक अलंकार' है, आत्म-विनय का महापर्व है। उनके सिद्धांत अहिंसा के संकेत के एकमात्र सम्प्रदाय के साथ पूरी मानवता के लिए सर्वोच्च गायड की तरह है।



सभी युद्ध अस्कर 'मे सही हूँ और तुम गलत' के अहंकार के परिणाम हैं। महावीर कहते हैं, 'सत्य के कई फलतु हो सकते हैं, दूसरा पक्ष भी आंशिक रूप से सही हो सकता है। हो सकता है, हमारी खिड़की से दिखने वाला आसमान नीला हो और दूसरे की खिड़की से दिखने वाला बदलत भरा।' सत्य को स्वयं खोजें।

युद्ध हमें बकरे अहिंसा युग में ले जाते हैं और परमाणु युग में ले आवेस की एक गलती पूरी सभ्यता को विना सभ्यता है। महावीर के विचार हमें एक सत्य और सह-अहिंसा वाले भविष्य की ओर ले जाते हैं। आतंकवाद बहलत है 'तुम पुरुष तभी में जीवित रूंगा।' महावीर कहते हैं, 'सं सुसुचित रहने में सुसुचित रहेंगे।' आज की मिथालें और जेन के युग में, महावीर का 'मौन' और 'अहिंसा' सक्ते अक्षिणशाली जावक है। महावीर जयंती पर हमें यह सम्झना होगा कि आतंक का अंत हथियारों से नहीं, बल्कि अहंकार और वैचारिक लचीलेपन से ही संभव है।

जगता जयवान

इरफान

इसरा-इस्त्राएल प्रेमिनी सुख की एक भावना

जगता जयवान

इरफान

जगता जयवान

इरफान

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

**Hindi-English News Paper
Website:- onlineftp.in**